

परामर्श प्रमुख

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
 डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256
प्रधान संपादक
 राजेन्द्र जैन "बागो", 9424013136
सह संपादिका
 श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
 श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884
कोषाध्यक्ष -
 सुधेश कुमार जैन, 9827254111
प्रबंध संपादक
 राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
 खुशालचन्द जैन, 9302123879
 कोमलचंद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
 बाहुबली जैन, 9827247847

परम संरक्षक

श्री आनंद मांगीलाल जैन, विजय नगर, इन्दौर
 श्री निशांत नरेन्द्रकुमार जैन, महारानी रोड, इन्दौर

संरक्षक

श्री प्रवीणकुमार जैन, अनूप नगर, इन्दौर
 श्री पंकजकुमार पी. जैन, सुखलिया, इन्दौर
 श्रीमती सुशीलादेवी स्व. श्री बाबूलालजी जैन
 'सायकलवाले', ललितपुर

विशेष सहयोगी

श्री अश्विन जैन, जबलपुर
 श्री निर्मल कुमार जैन, ज्योत्षाचार्य, जबलपुर
 श्री राजकुमार जैन, एस.बी.आई, जबलपुर
 डॉ. सुनील जैन, जबलपुर
 सिं. चन्द्रकुमार जैन 'ठेकेदार', जबलपुर
 श्री जयकुमार जैन, जबलपुर
 श्री आलोक जैन, कोषाध्यक्ष, जबलपुर
 श्री अरविन्द कुमार जैन 'बाकल', जबलपुर
 श्री राजेन्द्रकुमार जैन, एस.बी.आई. उज्जैन

आजीवन सदस्य

श्री सुनील कुमार जैन, शिवानन्द नगर, अहमदाबाद
 श्री अनिल कुमार जैन, गजराज सोसायटी, अहमदाबाद

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.ज.) - 21000/-
 परम संरक्षक(अ.ज.) - 11000/-
 संरक्षक (अ.ज.) - 5100/-
 विशेष सहयोगी (अ.ज.) - 2100/-
 आजीवन शुल्क - 1100/-
 पंचवर्षीय सहयोग - 250/-

आप गोलालरीय दर्शन में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बैंक खाता क्रं. 63048875855 में जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी कार्यालय पर अवश्य भेजे ताकि सहयोग राशि की रसीद आपको भेज सके ।

विज्ञापन शुल्क

अंतिम फुल पेज 3000/-
 1/2 पेज 2000/-
 1/4 पेज 1000/-
 कॉलम 500/-
 मांगलिक बधाई फोटो सहित 500/-
 शोक संदेश फोटो सहित 200/-
 बॉयोडाटा फोटो सहित 100/-

घर के साथ निखारे स्वयं को

कर्तव्य परायणता, निष्ठा, सहनशीलता, प्रेम, वात्सल्य ये सभी पर्यायवाची शब्द हैं स्त्री के। ऐसा हम सदियों से देखते आये हैं। लेकिन इसके साथ साथ वीरता, साहस, सृजनशीलता भी उसी स्त्री के पर्यायवाची शब्द हैं। समय की माँग के अनुसार स्त्री ने अपने इन गुणों को साबित भी किया है। मगर बदलते वक्त के साथ आज स्त्री को अपने इन गुणों को और भी निखारना होगा। जो आप में है उसे बाहर निकालना होगा। यदि आप अपने परिवार के प्रति कर्तव्यों को पूरा करती हैं, तो अपने प्रति भी जागरूक होने की आवश्यकता है, यदि आप अपनों को प्रेम वात्सल्य दे रही हैं तो अपने से प्रेम करना भी सीखिये। यदि आप मकान को घर बनाने में अपनी सृजनशीलता दिखलाती हैं तो स्वयं को भी आत्मविश्वास से भर दीजिये और फिर देखिये कि आप दुगुने उत्साह के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर पायेंगी। इसी सोच के साथ साथ दि. जैन गोलालरीय समाज इन्दौर की पूर्वी इकाई गौयल नगर में सर्वप्रथम महिलाओं ने स्वस्ति मंडल का निर्माण किया। जिसकी गतिविधियों की जानकारी आपको गोलालरीय दर्शन के माध्यम से प्राप्त होती रहती है।



इसी श्रृंखला में विजय नगर, इन्दौर की महिलाओं ने भी अपना संगठन बनाया है तथा हर माह किसी न किसी सदस्य के घर में भक्तामर पाठ का आयोजन तथा विचारों का आदान-प्रदान किया जाता है।

प्रतिमाह समाज की महिलाओं की बैठक समाज भवन इन्दौर पर होती है इसमें अनेको गतिविधियों के साथ वी.सी. का आयोजन होता है। इन संगठनों की सभी महिलाओं के आत्मविश्वास में सकारात्मक वृद्धि हुई है तथा आत्मसंतुष्टि है कि वे घर के साथ साथ स्वयं को भी निखारने में लगी हैं। संतुष्ट हृदय ही खुशहाल परिवार, समाज व देश का निर्माण कर सकता है। अतः आप सभी गोलालरीय दि. जैन समाज की महिलाओं से निवेदन है कि वे भी अपने क्षेत्र में निवासरत स्वजातीय महिलाओं का संगठन बनाये। कुछ अपने लिये व समाज के लिये करे यह बदलते वक्त की माँग है। और अपनी गतिविधियों की जानकारी हमें प्रेषित करें ताकि हम आपकी गतिविधियों से सभी को लाभान्वित कर सके।



सह संपादिका - अर्चना जैन

इन्दौर गोलालरीय समाज की साधारण सभा का आयोजन

इन्दौर । श्री गोलालरीय दिगम्बर जैन समाज न्यास की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 16/9/2012, रविवार को समाज के सांस्कृतिक भवन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर पर दोपहर 1 बजे आयोजित की गई है। जिसमें वर्ष 2011-12 के आर्थिक प्रतिवेदन के साथ न्यास द्वारा क्रय की गई नवीन भूमि पर निर्माण कार्य के रूप रेखा पर विचार किया जाना है। क्षमावाणी कार्यक्रम, र्नेह सम्मेलन व इन्दौर समाज की नवीन पत्रिका के प्रकाशन के साथ साथ अनेक विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिया जावेगा। समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी ने बताया कि समस्त सदस्यों को सभा की सूचना पृथक से प्रेषित की जा रही है उन्होंने सभी सदस्यों से सादर अनुरोध किया है कि वे सभा में उपस्थित होकर अपने सकारात्मक विचारों से मार्गदर्शन देकर समाज विकास में अपना योगदान अवश्य दें। समाज का क्षमावाणी कार्यक्रम दिनांक 7 अक्टूबर 2012, रविवार को समाज के सांस्कृतिक भवन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर पर दोपहर 2.30 बजे रखा गया है। जिसमें तपसाधकों एवं मेधावी छात्रों का सम्मान किया जावेगा।



श्री महावीर दि. जैन मंदिर का निर्माण पूर्णता की ओर...

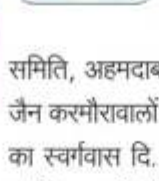
महावीर दि. जैन मंदिर का निर्माण कार्य शीघ्र ही पूर्ण होने की आशा है। दि. 30 जुलाई 2012, सोमवार को नवनिर्मित मंदिर में विराजमान होने वाली प्रतिमाओं का भव्य जुलूस शहर के मुख्य मार्गों से भ्रमण करते हुए मंदिरजी पहुँचा। जहाँ प्रतिमाओं की स्थापना कर दी गई है। मंदिर निर्माण कमेटी के संयोजक श्री महेन्द्र कुमार जैन (बिस्कुट) ने संभावना व्यक्त की है मंदिरजी के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव नवम्बर 2012 में होने की पूर्णतः आशा की जा रही है।



*** विनम्र श्रद्धांजली ***



ज्योतिषाचार्य पं. श्री हरदास जैन गंजबासौदा का देवलोकगमन 3 जून 12 को हो गया है। ज्योतिष विज्ञान का वृहद ज्ञान के साथ धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में आपका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।



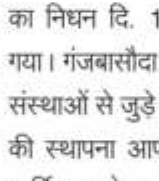
श्री दिगम्बर जैन गोलालरीय सेवा समिति, अहमदाबाद के पूर्व अध्यक्ष श्री हीरालालजी जैन करमौरावालों की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीलादेवी का स्वर्गवास दि. 29.06.2012 को हो गया है। धार्मिक, पारिवारिक, सामाजिक गतिविधियों में आपका विशेष योगदान अनुकरणीय व अविस्मरणीय रहेगा। मुनि आहार-विहार में विशेष योगदान के लिए आप सदैव तत्पर रही।



श्री प्रसन्नकुमारजी जैन एडवोकेट का देहावसान दि. 13.07.2012 को हो गया। छिंदवाड़ा में वकील साहब के नाम से लोकप्रिय प्रसन्नजी अपने संयम और नियमों की दृढ़ता के लिये समाज भर में जाने जाते थे।



श्री श्रीनंदनलाल जैन दिवाकीर्ति का निधन दि. 14.08.2012 को नागपुर में हो गया। गंजबासौदा जैन समाज के साथ आप अनेको संस्थाओं से जुड़े रहे। जिले में प्रथम बी.एड. कॉलेज की स्थापना आपके द्वारा की गई। सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन के अनेको प्रसंगों पर आपके योगदान की सराहना कर आपको आयोजन समिति द्वारा सम्मानित भी किया गया।



सिद्धान्तवाचस्पति न्यायलंकार स्व. पं. श्री वंशीधरजी की पुत्रवधु एवं पं. धन्यकुमारजी की धर्मपत्नी श्रीमती कस्तूरीबाई जैन का देहांत 26.08.12 को इन्दौर में हो गया है। आप इन्दौर समाज की सबसे बुजुर्ग महिला थीं।



श्री आनंद कुमार जैन 'पंचरत्न', गंजबासौदा का आकस्मिक निधन 27.08.12 को हो गया है। श्री पंकज जैन गंजबासौदा की माताजी श्रीमती शीला जैन धर्मपत्नी स्व. श्री छबीलचंदजी जैन का निधन 28.08.12 को हो गया है।

निवेदन

गोलालरीय दर्शन माध्यम है सामाजिक गतिविधियों की जानकारी का। समय समय पर इस पत्रिका के माध्यम से हम आपको हर संभव सामाजिक गतिविधियों की जानकारी देने का प्रयास करते आये हैं और यह सब संभव हो पाता है आपकी जागरूक सहभागिता से। इसी कड़ी में आप सभी से निवेदन है कि पर्युषण पर्व निकट है। अतः आप अपने अपने क्षेत्र में इस पर्व व क्षमावाणी पर्व में गोलालरीय समाज की सहभागिता का विवरण शीघ्र एवं अवश्य भेजे ताकि हम उसे प्रकाशित कर सभी को अवगत करा सके। जिससे आपके क्षेत्र में होने वाले नये नये कार्यक्रमों, विचारों से समाज के अन्य परिवार भी लाभान्वित हो सके।

अनुरोध - आपके नगर में आयोजित कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी व किसी भी धार्मिक, सामाजिक कार्यों में अपने समाज सदस्यों की सहभागिता है तो वह खबर हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण समाचार है। ऐसी खबरों की सचित्र जानकारी हमें PDF / JPEG फाईल में अपना नाम व शहर का नाम लिखकर ई-मेल करें।